अखबारी कागज की मशीनें

१८०८. श्री भूलन सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जर्मनी के मैसर्स जे० एन० वोयट से अखबारी कागज बनाने की मशीनें मंगाने के लिये जो बातचीत चल रही थी, उसका क्या परिणाम निकला ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : मूल्य के भुगतान की उपयुक्त शर्तें तय करने के लिये कोशिशें की जा रही हैं ।

अन्तर्दाह इंजन और शक्ति-चालित पम्प

१८०९. श्री भूलन सिंह : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्तर्दाह इंजनों और शक्ति-चालित पम्पों के आयात और उत्पादन के सम्बन्ध मे आंकडे इकट्ठे करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है ;

(ख) क्या निर्माताओ को ये आंकडे उपलब्ध कराने के लिये कोई व्यवस्था है ;

(ग) यदि हा, नो उसका ब्योरा क्या है; और

(घ) नई आयात नीति का इन इंजनों और पम्पो के आयात पर क्या प्रभाव पडेगा ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) अन्तर्दाह इंजनो तथा शक्ति चालित पपों के आयात के आंकडे कलकत्ते का वाणिज्यिक जानकारी तथा अंक-संकलन विभाग अन्य चीजों के आंकडों के साथ एकत्र करता है और इन्हें "मंथली स्टैटिस्टिक्स आफ फारेन ट्रेड आफ इंडिया' नाम पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है । इसी प्रकार उत्पादन के आंकडे डायरेक्टर इंडस्ट्रियल स्टैटिस्टिक्स, कलकत्ता एकत्र करता है और उन्हें 'मंथली स्टैटिस्टिक्स आफ प्रोडक्शन आफ सिलैक्टड इंडस्ट्रीज आफ इंडिया" नाम पुस्तक में प्रकाशित किया जाता है ।

(ख) तथा (ग). ये पुस्तकें बाजार में बिकती हैं ।

(घ) उन्हीं साइजों तथा किस्मों के इंजन और पंप आयात करने की अनुमति दी जाती है, जो देश में नहीं बनते ।

श्रमिक समितियां

१८१०. श्री राधा रमण : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय उपक्रमों के किन किन कारखानों में औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा ३ के अन्तर्गत श्रमिक समितियां बनाई गई हैं; और

(ख) इन समितियो ने मालिकों और मजदूरो में अधिक निकट सम्पर्क तथा सद्भावना बढाने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) तथा (ख). सूचना प्राप्त नही है तथा उसको प्राप्त करने से जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने मे समय और मेहनत लगेगी ।

झरिया और रानीगंज में कुष्ट रोग के अस्पताल

१८११. श्री वि० प्र० सिंह : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) झरिया और रानीगंज के कोयला खान क्षेत्रों में कुष्ट रोग के अस्पतालों में छत्तीस शय्याओं के लिये कितनी राशि दी गई है ; और